

मुझे अपने शिशु के डाक्टर को कब फोन करना चाहिए?

When Should I Call My Baby's Doctor?

Call 911 if your baby turns blue or has trouble breathing.

Call your baby's doctor if your baby has any of the following:

- Cries non-stop for several hours or is more irritable and soothing does not stop crying
- Hard to wake up
- Fever:
 - A rectal temperature (in baby's bottom) of 100.4° F or higher, or an armpit (axillary) temperature of 99° F or higher
 - Fever does not come down with medicine
 - Fever lasts more than 24 hours
- A lot of discharge from the eyes
- A hard time breathing or skin below or between baby's ribs pulls in when breathing.
- Yellowing or rash on the skin that gets worse
- Redness, discharge or a foul smell from a healing umbilical cord or circumcision
- Breastfeeding less often or taking less formula for more than 8 hours
- Green vomit or vomiting after more than 2 feedings in a row
- Fewer than 6 to 8 wet diapers in 24 hours
- Constipation or diarrhea
- Cough that will not go away, especially if there is a rash

911 पर फोन करें यदि आपका बच्चा नीला पड़ जाए या उसको साँस लेने में कठिनाई हो।

यदि आपके बच्चे को इनमें से कोई भी समस्या होती है, तो अपने बच्चे के डाक्टर को फोन करें:

- कई घंटों तक अविराम रोए अथवा ज्यादा चिड़चिड़ा हो और शामक देने से भी रोना बन्द न हो।
- जगाने में मुश्किल
- बुखार:
 - 100.4° फ़ारैनहाइट या उससे अधिक का मलाशयी तापमान (शिशु के चूतड़ में), अथवा 99° फ़ारैनहाइट या उससे अधिक का काँख (ऐक्सिलरी) का तापमान
 - बुखार दवा के साथ नहीं उत्तरता है
 - बुखार 24 घंटे से अधिक रहता है
- आँखों से बहुत आँसू निकलता है
- साँस लेने में कठिनाई या साँस लेते समय शिशु की पसलियों के नीचे की या उनके बीच की त्वचा खिंचती है
- त्वचा पर पीलापन या ददोरा, जो बदतर होता जाए
- स्वस्थ हो रही नाभि की नाली या परिच्छेदन का लाल पड़ जाना या उसमें से पानी निकलना अथवा बदबू आना
- स्तनपान कम करना या 8 घंटे से अधिक समय के लिए कम फार्मूला लेना
- दो या अधिक बार स्तनपान के बाद हरे रंग की उल्टी या उल्टी करना
- 24 घंटे में 6 से 8 से कम गीले डायपर
- कब्ज या दस्त
- ना हटने वाली खांसी, विशेष करके यदि कोई ददोरा हो

- Cough that will not go away, especially if there is a rash
- Poor muscle control or baby feels floppy when held
- Convulsions or seizures (body gets stiff, eyes rolls, legs thrash around)
- Baby seems to have a earache (stiff neck or pulls at ears).

If you have any concerns about your baby's health, call your baby's doctor, family doctor or health clinic. Be sure to tell them the baby's name and age.

Never be shy about calling the doctor's office. Often talking to your baby's doctor or nurse will help you decide if your baby needs medical care. When you call the doctor, have written down:

- What is wrong with your baby and when the signs started
- Your baby's rectal temperature
- Any allergies your baby has to food, medicine or environment
- Name and phone number of your pharmacy
- Type of medicine you have given and how much

Keep a paper and pen nearby to write down the doctor's instructions.

- ना हटने वाली खांसी, विशेष करके यदि कोई ददोरा हो
- मांसपेशियों पर कम नियंत्रण या उठाने पर बच्चा लटका हुआ सा महसूस हो
- ऐंठन या दौरे (शरीर अकड़ जाता है, आँखें घूमती हैं, पैरों को चारों ओर फेंकता है)
- शिशु को कान का दर्द होना (गर्दन में अकड़न या कान में खिंचाव)।

यदि आपको अपने शिशु के स्वास्थ्य के बारे में कोई भी चिन्ता है तो अपने शिशु के डॉक्टर, पारिवारिक डॉक्टर अथवा स्वास्थ्य चिकित्सालय को फोन करें। उन्हें शिशु का नाम और उम्र अवश्य बताएं।

डॉक्टर के दफ्तर में फोन करने से कभी संकोच ना करें। अपने शिशु के डॉक्टर या नर्स से अक्सर बात करने से आपको यह निर्णय लेने में मदद मिलेगी कि क्या आपके बच्चे को डॉक्टरी देखभाल की ज़रूरत है। डॉक्टर को फोन करते समय करते समय यह सब लिख कर रखें:

- बच्चे को क्या तकलीफ है और यह लक्षण कब शुरू हुए थे
- आपके बच्चे के गुदे का तापमान
- आपके बच्चे को खाने, दवाईयों या वातावरण से किसी प्रकार की एलर्जियाँ हैं
- अपने औषधालय का नाम और फोन नम्बर
- आपके द्वारा दी गई दवा का प्रकार और उसकी मात्रा

डॉक्टर के निर्देशों को लिखने के लिए अपने पास एक कागज और पेन रखें।